एसजेवीएन लिमिटेड
मिनी रत्न एवं अनुसूची '' अ'' कम्पनी
(भारत सरकार एवं हिमाचल सरकार का संयुक्त उपक्रम)
SJVN LIMITED
A Mini Ratna & Schedule "A" Company
(A Joint Venture of Govt. Of India & Govt. Of Himachal Pradesh)

आर.पी. सिंह
अध्यक्ष एवं प्रबन्ध निदेशक
R. P. Singh
Chairman & Managing Director

नव वर्ष संदेश

वर्ष 2011 हमारी शानदार उपलब्धियों के परिप्रेक्ष में एसजेवीएन के लिए निरपवाद रूप से फलदायी रहा है। जहां, कंपनी के तथा भारत के सबसे बड़े 1500 मेगावाट के नाथपा झाकड़ी जलविद्युत स्टेशन ने सतत रूप से उत्कृष्ट विद्युत उत्पादन किया, वहीं सर्वोपरि संयंत्र उपलब्धता फैक्टर भी दर्ज किया। विद्युत स्टेशन ने 2010-11 के दौरान 7140 मिलियन यूनिट बिजली का उत्पादन करके देश के जल विद्युत क्षेत्र के लिए एक शानदार उदाहरण प्रस्तुत किया है। एनजेएचपीएस के इंजीनियरों एवं कर्मचारियों द्वारा जल एवं मशीनों के प्रबन्धन में दर्शाई गई सटीकता के आधार पर मौजूदा वित्तीय वर्ष में भी नए कीर्तिमान स्थापित किया जाना जारी है। विद्युत स्टेशन ने 20 अक्तूबर,2011 को 50,000 मिलियन यूनिट का संचित विद्युत उत्पादन करके एक अति महत्वपूर्ण नई उपलब्धि हासिल की है। विद्युत स्टेशन ने वर्तमान वित्तीय वर्ष की तीन तिमाहियों में 104% से अधिक पीएएफ के साथ 6900 मिलियन यूनिट से अधिक बिजली का उत्पादन करके समझौता ज्ञापन के लक्ष्य को पहले ही पार कर लिया है।

मित्रो, मुझे आपको यह बताते हुए हर्ष है कि एसजेवीएन पहला ऐसा केन्द्रीय सार्वजनिक उपक्रम (सीपीएसयू) है जिसने भूटान में आबंटित विद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) प्रस्तुत की है। एसजेवीएन 600 मेगावाट की खोलोंग्चू जलविद्युत परियोजना तथा 570 मेगावाट की वांगचू जलविद्युत परियोजना की विस्तृत परियोजना रिपोर्टें पहले ही केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) को सौंप चुका है। यह उल्लेखनीय है कि निगम के इंजीनियरों ने वांगचू जलविद्युत परियोजना रिपोर्ट इन-हाउस तैयार की है।

निदेशक मंडल पवन ऊर्जा के क्षेत्र में प्रवेश के जरिए कंपनी के विस्तारीकरण की मंजूरी पहले ही दे चुका है। कंपनी जल्दी ही 50 मेगावाट की पवन विद्युत परियोजना स्थापित करेगी, जो वर्ष 2012-13 में आप्रेशनल हो जाएगी।

आपको ज्ञात ही है कि एसजेवीएन नेपाल में 900 मेगावाट की अरुण-III जलविद्युत परियोजना से बिजली की निकासी के लिए एक विद्युत ट्रांसमिशन नेटवर्क का निर्माण कर रहा है। डिडिंग से मुजफ्फरपुर बरास्ता ढालकेबार 310 कि.मी. लम्बी 400 केवी डी/सी ट्रांसमिशन लाईन का निर्माण ₹872 करोड़ की लागत से किया जा रहा है। सर्वेक्षण एवं अन्वेषण कार्य पूर्ण हो चुके हैं तथा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट भी केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण को सौंपी जा चुकी है। इन दो गतिविधियों के जरिए एसजेवीएन बड़े पैमाने पर अपना विस्तारीकरण शुरू करेगा।

मित्रो, 412 मेगावाट की रामपुर जल विद्युत परियोजना के निर्माण के दौरान कुछ जियालाजीकल समस्याएं सम्मुख आने के बावजूद मैं यह निःसंदेह कह सकता हूँ कि परियोजना से विद्युत उत्पादन सितंबर,2013 में शुरू हो जाएगा। हालांकि, इस परियोजना को समय से पूरा करने के लिए हमें सभी मोर्चों पर कमर कसनी होगी।

प्यारे साथियो, नए साल की शुरूआत में आइए हम सब यह प्रण करें कि एसजेवीएन को नई ऊँचाईयों पर पहुंचाने की खातिर हम स्वयं को नए जोश एवं ऊर्जा के साथ समर्पित करेंगे। हमें एनजेएचपीएस की विद्युत उत्पादन की उपलब्धियों से तथा अन्य प्रशस्तियों मात्र से संस्तुष्ट होकर नहीं बैठना है। जहां प्रबन्धन कर्मचारियों को सर्वोत्तम सुविधाएं मुहैया करवा रहा है, वहीं कर्मचारियों से उम्मीद की जाती है कि वे कंपनी की परियोजनाओं में अपनी दक्षता एवं अनुभव को साबित करें।

आप सभी को एवं परिजनों को नववर्ष की शुभ कामनाएँ।

रघुनाथ प्र. सिंह

(आर.पी. सिंह)

हिमफैड बिल्डिंग, न्यू शिमला-171 009 हि. दूरभाष : +(91-177)-2671379, फैक्स : +(91-177)-2672094
HIMFED Building, New Shimla - 171009 (H.P.) Ph. : +(91-177)-2671379, Fax : +(91-177)-2671379
Expediting Office : IRCON Building, Ground Floor, C-4 District Centre, Saket, New Delhi-110017
Tel. : +(91-011)-41659203, Fax : +(91-011)-41854564